

एडेलवीस

विचारों का सृजन, मूल्यों की रक्षा

एलेडवीस

पावर फाइनैस कारपोरेशन

वित्त वर्ष 2010 की पहली तिमाही के परिणाम

15 जुलाई 2009 सांयकाल 4:00 भा.मा.सं.

कारपोरेट प्रतिभागी

श्री आर. नागराजन

कार्यकारी निदेशक

श्री श्रीधर

महाप्रबंधक

प्रश्नोत्तर सत्र

संचालक: -- देवियो और सज्जनो नमस्कार। और एडेलवीस सिक्युरिटीज द्वारा आयोजित पावर फाइनेंस कारपोरेशन की वित्त वर्ष 2010 की पहली तिमाही के अर्जन सम्मेलन कॉल में आप सभी का स्वागत है। इस सम्मेलन की अवधि के लिए एक अनुस्मारक के रूप में सभी प्रतिभागियों की लाइनें केवल लिसन ओनली मोड में रहेंगी और आपको प्रश्न पूछने का अवसर आज के प्रजेंटेशन की समाप्ति पर दिया जाएगा। यदि सम्मेलन कॉल के दौरान आपको किसी सहायता की आवश्यकता होती है, तो कृपया अपने टचटोन टेलीफोन पर * और फिर 0 दबाकर ऑपरेटर को संकेत दें। कृपया ध्यान दें कि यह सम्मेलन रिकार्ड किया जा रहा है। अब मैं इस समय पर, सम्मेलन की आगे की कार्रवाई एडेलवीस सिक्युरिटीज लिमिटेड से श्री कुनाल शाह को सौंपना चाहूँगा, आप सभी को बहुत बहुत धन्यवाद।

कुनाल शाह: धन्यवाद मैलीसा और आप सभी को नमस्कार। मैं एडेलवीस सिक्युरिटीज लिमिटेड से कुनाल शाह हूँ। हमारे साथ अपने वित्त वर्ष 2010 की पहली तिमाही के अर्जन पर चर्चा करने के लिए पावर फाइनेंस कारपोरेशन के श्री आर नागराजन, कार्यकारी निदेशक, वित्त, पावर फाइनेंस कारपोरेशन उपस्थित हैं। बेहतर आंकड़ों के लिए श्रीमान जी आपको बधाई। और अब हम कार्रवाई प्रारंभ कर सकते हैं।

श्री आर नागराजन: ठीक है, मैं केवल पहली तिमाही की प्रमुख विशेषताओं के बारे में बताऊँगा। सबसे पहले मैं पहली तिमाही के परिणामों की समीक्षा के लिए उपस्थिति सभी निवेशकों और विश्लेषकों का स्वागत करता हूँ।

निबल ब्याज आज में 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह आईएनआर 514 करोड़ रूपए से बढ़कर आईएनआर 714 करोड़ रूपए हो गई है। निबल एनपीए निबल ऋण परिसंपत्तियों के 0.01 प्रतिशत के निचले स्तर पर था। मंजूरीयों में 24 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह आईएनआर 15,110 करोड़ रूपए से बढ़कर 18,782 करोड़ रूपए हो गई है। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि कागजों में इसका उल्लेख 12 प्रतिशत के रूप में किया गया था क्योंकि उनमें सभी एपीडीआरपी के मंजूरीयों के आंकड़ों को शामिल नहीं किया गया था, जिन्हें हमने शामिल किया है; इसीलिए कागजों में दिए गए प्रतिशत और जो हम दे रहे हैं

में आंकड़ों का अंतर है। ऋण परिसंपत्तियों में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह आईएनआर 54,703 करोड़ रूपए से बढ़कर आईएनआर 56,205 करोड़ रूपए हो गया है। निबल मूल्य में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह आईएनआर 8,949 करोड़ रूपए से बढ़कर 11,314 करोड़ रूपए हो गया है। निबल लाभ में 87 प्रतिशत वृद्धि हुई है और यह आईएनआर 296 करोड़ रूपए से बढ़कर आईएनआर 555 करोड़ रूपए हो गया है। तुलनात्मक पीएटी में 38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह आईएनआर 368 करोड़ रूपए से बढ़कर आईएनआर 805 करोड़ रूपए हो गया है। यहां अंतर इस तथ्य के कारण है कि गत वर्ष हमने सभी असाधारण मदों, असाधारण विदेशी विनिमय हानि को उसी ढंग से हटा दिया था, हमने विनिमय लाभ को भी हटा दिया था और फिर आपको इस आईएनआर 368 से 508 करोड़ रूपए का तुलनात्मक पीएसी दिखा रहे हैं, इसीलिए हम इसमें 38 प्रतिशत की वृद्धि दर्शा रहे हैं। औसत परिसंपत्तियों के रूप में प्रचालन लाभ में 40 आधार बिंदुओं की वृद्धि हुई है और यह 3.57 प्रतिशत से बढ़कर 3.98 प्रतिशत हो गया है। औसत परिसंपत्तियों पर मिलने वाले लाभ (रिटर्न) में 111 आधार बिंदुओं की वृद्धि हुई है और यह 2.10 से बढ़कर 3.21 हो गया है। ब्याज विस्तार में 49 आधार बिंदुओं की वृद्धि हुई है और यह 2.17 से बढ़कर 2.66 हो गया है। कुल आय में 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह आईएनआर 1442 करोड़ रूपए से बढ़कर आईएनआर 1,893 करोड़ रूपए हो गई है।

संवितरण आईएनआर 4,743 करोड़ रूपए की तुलना में लगभग 4,345 करोड़ रूपए था; इस गिरावट का प्रमुख कारण यह था कि 28 जून 2008 को एक ही दिन आईएनआर 1,350 करोड़ रूपए का एक बड़ा टिकट संवितरण किया गया। हमें इस प्रकार का बोनांजा हर वर्ष प्राप्त नहीं हो सकता है। यदि आप उसे हटा दें, तो वृद्धि लगभग 20 से 25 प्रतिशत है।

संचालक: देवियो और सज्जनो, अब हम प्रश्नोत्तर सत्र प्रारंभ करेंगे। कोई भी व्यक्ति जो प्रश्न पूछना चाहता है अपने टचटोन टेलीफोन में * और 1 दबाएं। यदि आप अपने आपको प्रश्न पंक्ति से हटाना चाहते हैं तो टचटोन टेलीफोन पर 0 और 2 दबाएं। प्रतिभागियों से

अनुरोध है कि कोई प्रश्न पूछते समय वे हैंडसेट का प्रयोग करें। पहला प्रश्न एशियन मार्केट सिक्युरिटीज से श्री कमलेश कोटक का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री कमलेश कोटक एशियन मार्केट सिक्युरिटीज: मैं एक वर्ष पूर्व समाप्त हुई पाइपलाइन पर आपके विचार / दृष्टिकोण जानना चाहता हूँ क्योंकि पिछली बार श्री सतनाम सिंह ने यह कहा था कि वे थोड़े बहुत रूढ़िवादी बनेंगे। अतः परिवर्तनशील परिदृश्य में अब हमारा मार्गदर्शन कैसे होगा और श्रीमान जी आगामी वर्ष के लिए कंपनी की निधियन योजना कैसे होने वाली है?

श्री आर नागराजन: जैसा आप जानते हैं कि हमने भारत सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन करार पर हस्ताक्षर किए हैं अतः वहां हमने लगभग आईएनआर 23,000 करोड़ रूपए के संवितरण का लक्ष्य दिया है, जिसमें से लगभग आईएनआर 2,000 करोड़ रूपए हमारे एपीडीआरपी से प्राप्त होगा और बकाया आईएनआर 21,000 करोड़ रूपए हमारा प्रमुख संवितरण होगा। जैसा हमारे सीएमडी ने एनडीटीवी के साथ अभी हाल ही में समाप्त हुए साक्षात्कार में बताया है कि हमें मार्च 2009 की तुलना में मार्च 2010 में वास्तविक रूप से हमारी ऋण बही में 20 प्रतिशत की वृद्धि की अपेक्षा है।

कमलेश कोटक: और श्रीमान जी, निधियन योजनाएं कैसी होंगी?

श्री आर नागराजन: पहली तिमाही में हमने लगभग 2,600 करोड़ रूपए की धनराशि उधार ली है। हमें 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से भी एक मंजूरी प्राप्त हुई है और ईसीबी प्रस्ताव 30 सितंबर 2008 के भीतर प्रस्तुत किया जाना है; बाजार की स्थितियों के आधार पर हम ईसीबी में भी वृद्धि कर सकते हैं। शेष राशि बांड, डिर्वेंचर और ऋणों के रूप में घरेलू बाजार से एकत्र की जाएगी। इस प्रकार उधारी योजना संवितरण के मेरे स्तर के आधार पर लगभग 20 21 करोड़ रूपए की है।

कमलेश कोटक: ठीक है, और श्रीमान जी, अभी ब्याज दरों की परंपरा क्या है, क्योंकि पाइप लाइन सुझाव देती है कि क्या दरों को सुदृढ़ बनाया जा रहा है अथवा वे स्थिर होने वाली हैं?

श्री आर नागराजन: मई में हमने 6.93 प्रतिशत के बांड इश्यू जारी किए हैं, इस प्रकार दरें बढ़कर 7.30 तक पहुंच गयी हैं और अब ये 7.10 के आसपास स्थिर हैं। आज भी मैं सोचता हूँ कि मैं बाजार में 6.90 से 7.25 तक का सुधार देख रहा था, उन्होंने आईएनआर 1500 से 2000 करोड़ रुपए के आसपास का आर पी कर्ज लिया हुआ है। इस प्रकार आगे चलकर दरें इसी स्तर पर बनी रहेंगी और ये 7 और 7.25 प्रतिवर्ष के बीच रहेंगी। समाचार पत्र में कल इस बात का उल्लेख किया गया था कि 10 वर्ष की लब्धि 25 आधार बिंदुओं के आसपास बनी रहेगी और उसमें कमी अथवा वृद्धि होगी। इस प्रकार यहां तक यदि हम किसी 10 वर्ष से बांड का विकल्प चुनते हैं यह लगभग 8.60 होगी और यदि आप 5 वर्ष की अवधि का विकल्प चुनते हैं तो यह लगभग 8 प्रतिशत होगी। यदि हम तीन वर्ष की अवधि के बांड का विकल्प चुनते हैं तो यह 7.10 प्रतिशत होगी, परंतु हम सभी उधारियां किसी विशेष संरचना में नहीं ले रहे हैं। एएलएम के आधार पर हम 3 वर्ष, 5 वर्ष और 10 वर्ष की अवधि वाले बांडों को आपस में मिला रहे हैं। इस प्रकार हम लागत को ईष्टतम बनाने और उधारी की संपूर्ण लागत को कम करने में सक्षम होंगे।

कमलेश कोटक: ठीक है, और श्रीमान जी, उधारी के संबंध में स्थिति क्या होगी, मेरा आशय यह है कि क्या अभी दरें स्थिर हो रही हैं अथवा कोई संदेह है...?

श्री आर नागराजन: नहीं, हमें अपने सीएमडी द्वारा एनडीटीवी के साथ अभी हाल ही समाप्त हुए साक्षात्कार में बताए अनुसार 28 को निगरानी नीति के प्रतीक्षा करनी चाहिए। एक प्रश्न यह था कि क्या ब्याज दरों में कमी किए जाने की कोई संभावना है, उन्होंने कहा कि यदि कोई संभावना होगी तो हम उसकी जांच करेंगे।

कमलेश कोटक: और श्रीमान जी, अंतिम प्रश्न यह है कि एपीडीआरपी के भाग क और भाग ख में आपकी हिस्सेदारी क्या है। इसका भाग ख कब शुरू होने वाला है...?

श्री आर नागराजन: इस वर्ष केवल भाग क किया जाएगा। जैसे हमें जानकारी है इसका भाग क में लगभग आईएनआर 1900 करोड़ रुपए शामिल है और इसे 31 मार्च 2010 तक पूरा किया जाएगा। इस प्रकार आपको एक बात समझनी चाहिए वह यह है कि पहले भाग में पीएफसी को कोई लाभ नहीं है, सभी मंजूरीयों पर स्वीकृत राशि का 1 प्रतिशत कमीशन

मिलेगा। इस प्रकार आय केवल उतनी ही है, जितनी भी राशि का हम संवितरण करते हैं हमने उसकी वसूली की है और यदि वे एपीडीआरपी भाग क के लिए विनिर्दिष्ट शर्तों को पूरा करने में सक्षम नहीं रहे हैं तो भारत सरकार को उसका भुगतान किया है क्योंकि यह राशि राज्य विद्युत बोर्डों (एसईबी) से प्राप्त और देय है तथा भारत सरकार को इसका भुगतान किया जाना है। इस प्रकार हमें केवल 1 प्रतिशत शुल्क के रूप में भी आय होती है और इस पार्सल में कोई लाभ (मार्जिन) शामिल नहीं है।

श्री कमलेश कोटक: ठीक है, परंतु श्रीमान जी पीएफसी और आरईसी को शामिल कर कुल निधियन कितना होगा अथा क्या संपूर्ण राशि पीएफसी के नोडल एजेंसी होने के नाते पीएफसी से ही प्राप्त हो रही है?

श्री आर नागराजन: भाग-क की राशि केवल पीएफसी से प्राप्त होगी।

श्री कमलेश कोटक: ठीक है, इस प्रकार पूरे वर्ष के लिए कुल लक्ष्य आईएनआर 2 करोड़ रूपए है, क्या मैं सही हूँ?

श्री आर नागराजन: हां।

श्री कमलेश कोटक: ठीक है, श्रीमान जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्रीमान कोटक। अगला प्रश्न रैलीगियर एएमसी से श्री अमित गोनाना का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री अमित गोनाना: हां, आपकी प्रचालन लागत में तिमाही दर तिमाही आधार पर महत्वपूर्ण कमी हुई है, क्या इसके कोई विशेष कारण हैं?

श्री आर नागराजन: कृपया प्रश्न दोहराएं।

श्री अमित गोनाना: प्रचालन लागत में कमी हुई है और यह चौथी तिमाही से पहली तिमाही के दौरान क्रमशः 280 मिलियन से 180 मिलियन हो गई है, इसके क्या कारण हैं?

श्री आर नागराजन: गत वर्ष की चौथी तिमाही? वर्ष 2008 अथवा 2009 की चौथी तिमाही?

श्री अमित गनात्रा: हां, वर्ष 2009। वर्ष 2010 की चौथी तिमाही की तुलना में वर्ष 2009 की चौथी तिमाही।

श्री आर नागराजन: ब्याज से होने वाली आय?

श्री अमित गनात्रा: कोई प्रचालन लागत नहीं, नहीं यदि मैं ब्याज व्यय को हटा देता हूँ तो अन्य प्रचालन व्यय की क्या स्थिति है?

श्री आर नागराजन: क्या आप ब्याज व्यय पर होने वाले खर्च की बात कर रहे हैं?

श्री अमित गनात्रा: ब्याज व्यय... कर्मचारी लागत और अन्य प्रचालन व्यय को हटाते हुए, कुल कर्मचारी लागत और अन्य प्रचालन व्यय कितना है?

श्री आर नागराजन: वर्ष 2009 की पहली तिमाही में यह आईएनआर 17 करोड़ रूपए और चौथी तिमाही में यह आईएनआर 18 करोड़ रूपए है।

श्री अमित गनात्रा: नहीं, मैं 2009 की चौथी तिमाही से तुलना के बारे में बात कर रहा हूँ?

श्री आर नागराजन: वर्ष 2008/2009 की चौथी तिमाही?

श्री अमित गनात्रा: हां, श्रीमान जी यह आईएनआर 28 करोड़ रूपए है। मूलतः मेरे पास आंकड़े उपलब्ध हैं, चौथी तिमाही में यह आईएनआर 28 करोड़ रूपए है और पहली तिमाही में यह घटकर आईएनआर 18 करोड़ रूपए और उसके आसपास हो गया है।

श्री आर नागराजन: श्रीमान जी, इस नंबर के साथ हम आपके पास वापस आएंगे। हम दूसरे प्रश्न पर आएंगे और इसी बीच मैं आपके प्रश्न का जवाब दूंगा।

श्री अमित गनात्रा: आपकी टियर-1 पूंजी की क्या स्थिति है?

श्री आर नागराजन: वे सभी टियर-1-पूंजी हैं। हमारे पास टियर 2 पूंजी नहीं है, सभी टियर 1 हैं।

श्री अमित गनात्रा: पूंजीगत पर्याप्तता कुछ है, क्या यह सभी टियर 1 पूंजी हैं?

श्री आर नागराजन: पहली तिमाही में यह लगभग 17.51 है।

श्री अमित गनात्रा: ठीक है, आपका धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री गनात्रा। अगला प्रश्न बिरला सन लाइफ इंश्योरेंस से श्री सुनील कुमार का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री सुनील कुमार : हां श्रीमान जी, आपने कहा कि एपीडीआरपी परियोजना पर इस वित्त वर्ष के दौरान आईएनआर 1900 करोड़ रुपए का संवितरण करेंगे। क्या यह सही है?

श्री श्रीधर: हां इस वित्तीय वर्ष में। मैं श्रीधर, महाप्रबंधक। इस वित्तीय वर्ष में एपीडीआरपी मंजूरी लगभग 1900 करोड़ रुपए होगी।

श्री सुनील कुमार: ठीक है। और अगले वर्ष निश्चित रूप से क्या इस राशि में बहुत अधिक वृद्धि की जाएगी?

श्री श्रीधर: हां, ऐसा होना चाहिए, क्योंकि भाग-क में ऐसा माना जा रहा है कि इसका विस्तार किया जाएगा और आगामी 3 वर्ष में आईएनआर 10,000 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे, इस प्रकार आंकड़ों में वृद्धि हो सकती है।

श्री सुनील कुमार: ठीक है। और जैसा आप कह रहे हैं कि उस राशि की 1 प्रतिशत राशि शुल्क आय के रूप में संचित होगी, क्या ऐसा है?

श्री श्रीधर: हां, हम स्वीकृत राशि पर 1 प्रतिशत शुल्क आय के रूप में अर्जित करते हैं।

श्री सुनील कुमार: ठीक है, परंतु इसके अलावा शुल्क आय के रूप में आप क्या सोचते हैं कि इस वित्त वर्ष में कितनी राशि संचित होगी?

श्री श्रीधर: वर्तमान में परामर्श सेवाएं एक अलग सहायक कंपनी के द्वारा प्रदान की जाती हैं, अतः पीएफसी की बही में शुल्क के रूप में होने वाली केवल उतनी दर्शायी जाएगी जो तिलैया यूएमपीपी परियोजना के हस्तांतरण से प्राप्त हुई है और यह पीएफसी बही में लगभग आईएनआर 15 करोड़ रूपए होगी।

श्री सुनील कुमार: परंतु इस तिमाही में शुल्क के रूप में होने वाली मुख्यतः कहां से हुई है?

श्री श्रीधर: हमारे पास प्रबंधन एजेंसी, गारंटी शुल्क और ऋणों पर अप फ्रंट शुल्क का प्रावधान है; अतः शुल्क के रूप में होने वाली आय मूलतः इन्हीं मदों से होती है, जिसे हम ब्याज से होने वाली हमारी आय के भाग के रूप में मानते हैं और फिर इसका प्रयोग विस्तार के उद्देश्य से की जाने वाली गणना में भी किया जाता है।

श्री सुनील कुमार: ठीक है। मेरा प्रश्न विस्तार से संबंधित है। जहां तक विस्तार का संबंध है तो आप पूरे वर्ष के दौरान कितना विस्तार बनाए रखने में सक्षम होंगे? मेरा आशय पहली तिमाही में इस प्रकार के सुधार से है। मुझे विश्वास है कि यह कुछ अग्रिम राशियों के पुनर्मूल्यांकन से होना चाहिए, क्या ऐसा है?

श्री श्रीधर: यदि आप नजर डालें तो हम परिसंपत्तियों पर अपनी लब्धि बहुत ही अच्छे स्तर पर बनाए रखने में सफल रहे हैं और इसके साथ-साथ हमने अपनी उधारी लागत को भी कम किया है। इस प्रकार इस बार हमें अच्छा विस्तार प्राप्त हुआ है। आगे चलकर हम 2 प्रतिशत या उससे अधिक का विस्तार बनाए रखने में सक्षम होंगे।

श्री सुनील कुमार: ठीक है, श्रीमान जी, आपका धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री कुमार। अगला प्रश्न टाटा सिक्युरिटीज से हरीश अवस्थी का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री हरीश अवस्थी: श्रीमान जी, मैं केवल इतना जानना चाहता हूँ कि वित्त वर्ष 2009 के लिए राज्य विद्युत बोर्ड से प्राप्त होने वाला ट्रांसमिशन केपेक्स कितना था, क्या आप मुझे इस संबंध में जानकारी देंगे?

श्री श्रीधर: मेरे पास केवल उस संवितरण की जानकारी है जो हमने राज्य विद्युत बोर्डों को किया है। मेरे पास अभी राज्य विद्युत बोर्ड से प्राप्त केपेक्स संबंधी आंकड़े अभी तैयार नहीं हैं।

श्री हरीश अवस्थी: ठीक है, श्रीमान जी, कृपया मुझे राज्य विद्युत बोर्ड को ट्रांसमिशन के लिए किए गए संवितरण की जानकारी दे सकते हैं?

श्री श्रीधर: क्या आपका आशय कुल आंकड़ों से है हरीश अवस्थी जी: हां, इसके कुल आंकड़े भी मेरे पास उपलब्ध हैं। मैं इतना जानना चाहता हूँ कि राज्य विद्युत बोर्डों को किया गया ट्रांसमिशन कितना है?

श्री श्रीधर: जो कुछ भी ट्रांसमिशन संवितरण किया जाता है वह केवल राज्य विद्युत बोर्डों को किया जाता है।

श्री हरीश अवस्थी: केवल राज्य विद्युत बोर्डों को, क्या मैं सही हूँ?

श्री श्रीधर: हां।

श्री हरीश अवस्थी: और श्रीमान जी, क्या आप मुझे इस संबंध में कुछ संकेत दे सकते हैं कि राज्य विद्युत बोर्डों द्वारा केपेक्स की क्या स्थिति है, जिसके अधिकांश भाग निधियन पीएफसी द्वारा किया जाता है, क्या मैं सही हूँ?

श्री श्रीधर: हां, हम राज्य विद्युत बोर्डों का निधियन करते हैं। उन्हें कहीं भी पहल करने का अवसर है, वे एलआईसी अथवा पूंजीगत बाजार अथवा अन्य ऋणदाताओं के पास भी जा सकते हैं। परंतु ऋण बही को देखते हुए राज्य विद्युत बोर्डों का ज्यादातर पूंजीगत व्यय हमारे पास ही आता है और हम उसका निधियन करते हैं।

श्री हरीश अवस्थी: ठीक है श्रीमान जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक: श्री अवस्थी आपका धन्यवाद। अगला प्रश्न आईसीआईसीआई सिक्युरिटीज से सिद्धार्थ तेली का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री सिद्धार्थ तेली: हाय श्रीमान जी। आस्थगित कर देयता के संबंध में मैं यह जानना चाहता हूँ कि लेखा परीक्षक द्वारा यहां टिप्पणी क्यों की गई है? मूलतः 36 (1) (viii) के अंतर्गत किसी भी अन्य कंपनी के समक्ष ऐसी कोई समस्या नहीं थी। इस प्रकार आप कब प्रत्यावर्तन (रिवर्स) करेंगे, क्या आप इस संबंध में कुछ जानकारी दे सकते हैं और आप जानते हैं कि इसकी क्या स्थिति है?

श्री श्रीधर: मुझे लगता है कि किसी अन्य कंपनी ने अपने विवरण ही नहीं दिए हैं, इसीलिए समस्या सामने नहीं आयी...

श्री सिद्धार्थ तेली: ठीक है, हमारे पास केवल विशेष आरक्षित निधियां हैं, जो सही हैं।

श्री श्रीधर: हमारे मामले में हमने ऐसी देयता सृजित की है जो संस्थान की सलाह पर आधारित है और हमने उन्हें लिखा है और उनके साथ यह कहते हुए चर्चा की है कि यह देयता विशेष आरक्षित निधि पर सृजित की जाती है जो अपरिवर्तनीय है। अतः ऐसी स्थिति में इस प्रकार का डीटीएल सृजित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। संस्थान ने हमारे अनुरोध पर विचार किया है और हमें सलाह दी है कि यदि विशेष आरक्षित निधि परिवर्तनशील नहीं है और यह स्थायी प्रकृति की है, तो उसके लिए हमें प्रावधान करने की आवश्यकता नहीं है। हमारे बोर्ड ने यह भी निर्णय लिया है कि उस राशि को परिवर्तित नहीं किया जाएगा। एक बार ऐसा कर लिया जाता है और निर्णय ले लिया जाता है तो हम डीटीएल को परिवर्तित करेंगे। परंतु हमारे लेखा परीक्षकों का यह मानना है कि चूंकि

विशेषज्ञ समिति ने यह सलाह दी है कि इसका सृजन किया जाना चाहिए, अतः उन्होंने अपनी टिप्पणी जारी रखी है। परंतु हमें संस्थान के लेखांकन मानक बोर्ड से एक पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें यह कहा गया है कि यदि यह स्थायी प्रकृति का है, तो हमें प्रावधान करने की आवश्यकता नहीं है, उसी के आधार पर हमने डीटीएल को परिवर्तित किया है।

श्री सिद्धार्थ तेली: ठीक है। अतः मूल रूप से विशेषज्ञ सलाहकार समिति का यह मत है कि आपको इसे परिवर्तित नहीं करना चाहिए?

श्री श्रीधर: मैं यह कहूँगा कि विशेषज्ञ सलाहकार समिति से हमें नया परामर्श प्राप्त नहीं हुआ है परंतु लेखांकन मानक बोर्ड जिसने यह सलाह दी है कि विशेष आरक्षित निधि स्थायी प्रकृति की है और इसे परिवर्तित नहीं किया जाना चाहिए। आयकर विभाग ने कहा है कि यदि इसे परिवर्तित किया जाता है तो हमें उस पर आयकर का भुगतान करना होगा। यदि यह सिद्ध हो जाता है कि यह परिवर्तनशील नहीं है तो हमें डीटीएल के लिए प्रावधान करने की आवश्यकता नहीं है। हमारे बोर्ड ने यह निर्णय किया है कि हम आरक्षित निधि को परिवर्तित नहीं करेंगे अतः डीटीएल उपलब्ध कराने का प्रश्न ही नहीं उठता है।

श्री सिद्धार्थ तेली: ठीक है श्रीमान जी, मेरा दूसरा प्रश्न आपके कहे अनुसार एपीडीआरपी से शुल्क के रूप में होने वाली आय से संबंधित है, आपको 1 प्रतिशत का शुल्क क्या मंजूर की गई राशि अथवा संवितरित की गई राशि किस पर मिलता है?

श्री श्रीधर: मंजूर की गई राशि पर।

श्री सिद्धार्थ तेली: इस प्रकार यह पहले से ही इसका एक भाग है, क्या मैं ठीक हूँ, क्या इस मद में आपका आंकड़ा आईएनआर 19,00 करोड़ रूपए है?

श्री श्रीधर: हां,

श्री सिद्धार्थ तेली: आप किस लाइन को इसमें शामिल करना चाहते हैं, क्या यह शुल्क से होने वाली आय में शामिल है अथवा नहीं...?

श्री श्रीधर: नहीं, यह अन्य आय के रूप में है।

श्री सिद्धार्थ तेली: अच्छा यह अन्य आय का हिस्सा है। ठीक है, धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री तेली। अगला प्रश्न एनम सिक्युरिटीज से श्री सुमित अग्रवाल का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री सुमित अग्रवाल: हैलो सर, क्या आप मुझे विदेशी मुद्रा उधारियों के विवरण दे सकते हैं, और उसमें से कितनी राशि हैज की गई है और हैज करते समय रूपए का स्तर क्या है?

श्री श्रीधर: 30 जून को हमारे पास लगभग 515 मिलियन अमेरिकी डॉलर की विदेशी मुद्रा देयता है जिसकी समतुल्य राशि में से 55 प्रतिशत हैज की गई है और 45 प्रतिशत मुक्त है। यह या तो डेरीवेटिव अथवा विदेशी मुद्रा उधारी के माध्यम से हैज की गई है, 55 प्रतिशत पूरी तरह से सुरक्षित और 45 प्रतिशत मुक्त है।

श्री सुमित अग्रवाल: ठीक है। और यह रूपए के किस स्तर पर हैज की गई है, जैसा मुझे स्मरण है कि मार्च में, मेरा आशय है कि पूर्व में यह आईएनआर 49.82 था, अभी इसे किस स्तर पर हैज किया जाता है?

श्री श्रीधर: 30 जून को समापन स्तर आईएनआर 47.81 था, मैं आपको इसकी राशि बताऊंगा, परंतु लगभग 47.81 है।

श्री सुमित अग्रवाल: ठीक है, धन्यवाद। ?

श्री श्रीधर: मैं इस आंकड़े को सही करना चाहता हूँ, यह 48.32 था।

श्री सुमित अग्रवाल: ठीक है। और अब एक बात और। श्रीमान जी, क्या आप अपनी ऋण बही में फ्लोटिंग और फिक्स दरों का व्यौरा दे सकते हैं?

श्री श्रीधर: परिसंपत्ति अथवा देनदारियां, किसके संबंध में?

श्री सुमित अग्रवाल: श्रीमान जी, दोनों के संबंध में।

श्री श्रीधर: परिसंपत्ति के संबंध में 83 प्रतिशत फ्लोटिंग दर परिसंपत्ति और 17 प्रतिशत ऋण फिक्स दर परिसंपत्ति आधार पर दिए गए हैं। देनदारी के संबंध में 81 प्रतिशत फिक्स दर देयता और 19 प्रतिशत फ्लोटिंग दर देयता है।

श्री सुमित अग्रवाल: धन्यवाद।

श्री श्रीधर: परिसंपत्तियों के संदर्भ में 85 प्रतिशत और 15 प्रतिशत, अर्थात् 85 प्रतिशत फ्लोटिंग दर परिसंपत्तियां और 15 प्रतिशत फिक्स दर परिसंपत्तियां।

श्री सुमित अग्रवाल: श्रीमान जी, क्या यह परिसंपत्ति के संदर्भ में हैं।

श्री श्रीधर: मैं आंकड़े दोहराऊंगा, परिसंपत्ति के संदर्भ में फ्लोटिंग दर परिसंपत्ति 85 प्रतिशत, फिक्स दर परिसंपत्ति 15 प्रतिशत है। देयता के संदर्भ में फ्लोटिंग दर देयता 19 प्रतिशत और फिक्स दर देयता 81 प्रतिशत है।

श्री सुमित अग्रवाल: निश्चित ही श्रीमान जी। ठीक है, श्रीमान जी आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री अग्रवाल। अगला प्रश्न यूबीएस से श्री पंकज शर्मा का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री पंकज शर्मा: केवल एक प्रश्न। वित्त वर्ष 2010 में आपके लिए निर्धारित आईएनआर 21,000 करोड़ रुपए के संवितरण लक्ष्य में से कितना पारेषण और वितरण के लिए किया

जाएगा और कितना उत्पादन के लिए होगा? और दूसरा प्रश्न, यह है कि इसमें से राज्य विद्युत बोर्डों के लिए कितना होने की अपेक्षा है और कितना निजी क्षेत्र के लिए है?

श्री आर नागराजन: हम मुक्त रूप से निधियन कर रहे हैं। चाहे यह राज्य विद्युत बोर्ड हो अथवा निजी क्षेत्र, जो भी हमें प्रस्ताव प्रस्तुत करता है हम उसका निधियन करते हैं। एक बार फिर हम किसी भी प्रकार की योजना को निधि उपलब्ध कराने के लिए इच्छुक हैं चाहे यह उत्पादन, पारेषण अथवा वितरण किसी से भी संबंधित क्यों न हो, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हमें प्रस्ताव कहां से मिलता है। अतः यह पहले से निर्धारित करना बहुत कठिन है। किसी विशेष योजना अथवा किसी विशेष ऋणग्राही को पूर्व निर्धारित आवंटन का प्रावधान नहीं है। परंतु यदि आप ऋण बही पर नजर डालेंगे, तो अब तक लगभग 18 प्रतिशत पारेषण और वितरण तथा 82 प्रतिशत उत्पादन के लिए संवितरित किया गया है। इसी प्रकार यदि आप क्षेत्रवार नजर डालते हैं तो लगभग 7 प्रतिशत निजी क्षेत्र को, बकाया राज्य क्षेत्र, केंद्रीय क्षेत्र और संयुक्त क्षेत्र के हिस्से में गया है। अतः यह पूर्व निर्धारित करना बहुत कठिन है, परंतु योजनाओं के स्वरूप और ऋणग्राहियों की संख्या और स्वरूप में बहुत अधिक परिवर्तन होने की संभावना नहीं है।

श्री पंकज शर्मा: श्रीमान जी, मैंने यह प्रश्न इसलिए पूछा है क्योंकि सामान्यतः निजी क्षेत्र की प्रतिभागिता सभी क्षेत्रों और विशेष रूप उत्पादन के क्षेत्र में बढ़ रही है। क्या आप यह देख रहे हैं कि परंपरा निजी क्षेत्र के संवितरण को प्रभावित कर रही है अथवा क्या आपका मानना है कि यह सार्वजनिक क्षेत्र के लिए उसी प्रकार 93 प्रतिशत और निजी क्षेत्र के 7 प्रतिशत रहने वाला है।

श्री श्रीधर: यदि आप देखेंगे कि 78,000 मेगावाट में से 11वीं पंचवर्षीय योजना के लिए पूंजी अभिवृद्धि लक्ष्य में से निजी क्षेत्र के लिए यह केवल 15,000 है। अतः यह पूर्ववर्ती पंचवर्षीय योजना की तुलना में निश्चित रूप से बढ़ रहा है परंतु यदि आप हमारी ऋण बही में किसी बड़े परिवर्तन की आशा कर रहे हों, तो ऐसा होने की संभावना नहीं है।

श्री पंकज शर्मा: निश्चित ही श्रीमान, श्रीमान जी, आपका धन्यवाद। आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री शर्मा। अगला प्रश्न गोल्डमैन सैच्स एसेट मैनेजमेंट से श्री हीरन देसानी का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री हीरन देसानी: श्रीमान जी, मैं केवल इतना समझना चाहता हूँ कि आजकल वह जटिल दर कितनी है जिस पर आप उत्पादन परियोजनाओं के लिए धन उधार देते हैं?

श्री श्रीधर: यह 11.5 प्रतिशत है।

श्री हीरन देसानी: और क्या यह दर निजी क्षेत्र के ऋणग्राही के लिए ठीक है...?

श्री श्रीधर: मैं यह कहूँगा कि बहुसंख्यक समुदाय इस दर को स्वीकार करता है। परंतु मैं विशेष रूप से यह नहीं बता पाऊँगा कि क्या यह किसी विशेष ऋणग्राही के लिए है; अथवा क्रेडिट रेटिंग के आधार पर प्रत्येक ऋणग्राही के लिए दर अलग होगी।

श्री हीरन देसानी: नहीं, मैं किसी विशेष ऋणग्राही की बात नहीं कर रहा हूँ, न ही मैं किसी ऋणग्राही के नाम का उल्लेख कर रहा हूँ, मैं तो बेहतर गुणवत्ता वाले निजी क्षेत्र की बात कर रहा हूँ...?

श्री श्रीधर: यह 11.5 से 13.5 प्रतिशत के बीच है।

श्री हीरन देसानी: यदि मामला ऐसा है तो राज्य की उत्पादन कंपनियां धन उधार लेने के लिए आपके पास क्यों आ रही हैं जबकि यदि वे किसी बैंक के साथ पहल करेंगे तो हो सकता है उन्हें इसकी तुलना में सस्ती दरों पर वित्तीय सहायता मिल जाए?

श्री श्रीधर: यह प्रश्न वास्तविक रूप से राज्य विद्युत बोर्डों से किया जाना चाहिए, परंतु अपनी ओर से उत्तर देने के लिए मैं यह कहना चाहूँगा कि हमारे पास लंबी अवधि के लिए धन उधार देने की एक अद्वितीय योजना है। कोई भी बैंक हमारे धन उधार देने के इस प्रकार की बराबरी नहीं कर सकते हैं। यदि आप हमारी धन उधार देने की अवधि पर नजर डालेंगे तो उत्पादन परियोजनाओं का सामान्य जीवन काल लगभग 25 वर्ष है।

थर्मल उत्पादन के लिए हमारे पास लगभग 15 वर्ष या उससे अधिक का अधिस्थगन काल (मोरेटोरियम) है जो 18 अथवा 19 वर्ष होने वाला है। यदि आप जल विद्युत परियोजना की बात करें तो इसकी निर्माण अवधि और 15 वर्ष है। इसका आशय यह है कि यह 20 से भी अधिक है। इस प्रकार की अवधि बैंक अपनी एएलएम स्थिति के कारण नहीं दे पाएंगे।

श्री हीरन देसानी: इस प्रकार आप जो धन उधार दे रहे हैं, क्या उसके लिए 4 वर्ष का अधिस्थगन काल और 15 वर्ष का पुनर्भुगतान काल... है?

श्री श्रीधर: निर्माण अवधि और 15 वर्ष, इसका आशय यह है कि किसी थर्मल उत्पादन परियोजना की निर्माण अवधि लगभग 3-4 वर्ष है, परंतु जल विद्युत परियोजना के मामले यह 6 7 वर्ष हो सकती है।

श्री हीरन देसानी: इस प्रकार ज्यादातर परिसंपत्तियां फ्लोटिंग आधार पर हैं जो 3 वर्ष है, क्या मैं सही हूँ...?

श्री श्रीधर: हां, यह 3 वर्ष का पुनर्निर्धारण काल है।

श्री हीरन देसानी: आपकी देयता समाप्ति की औसत अवधि क्या होगी?

श्री श्रीधर: हम अवधि की गणना नहीं करते हैं; हमारे देयता की औसत परिपक्वता अवधि 3.98 वर्ष है।

श्री हीरन देसानी: अतः आपका अपेक्षाकृत ऋणात्मक विस्तार है, मेरा आशय है कि आपकी देयताओं की परिपक्वता अवधि आपकी परिसंपत्तियों की परिपक्वता अवधि की तुलना में कुछ अधिक है?

श्री श्रीधर: मैं कह रहा हूँ कि मेरी परिसंपत्तियों की परिपक्वता अवधि 5.74 वर्ष है और मेरी देयता की औसत परिपक्वता अवधि 3.98 वर्ष है।

श्री हीरन देसानी: 11वीं पंचवर्षीय योजना में निजी क्षेत्र की सहभागिता बहुत अधिक नहीं है परंतु यह अक्सर सुनाई दे सकता है कि बहुत सी कंपनियां विद्युत क्षेत्र में बड़ी योजनाएं लेकर आने वाली हैं, अतः क्या आप यह सोचते हैं कि आगामी 2-3 वर्ष में आपकी मंजूरीयों के पैटर्न में नाटकीय परिवर्तन हो सकते हैं?

श्री श्रीधर: मैं नाटकीय शब्द का प्रयोग नहीं करना चाहूंगा परंतु इसके स्वरूप में निश्चित रूप से परिवर्तन होंगे, और तदनुसार मंजूरी और संवितरण भी परिवर्तित हो सकते हैं।

श्री हीरन देसानी: अतः दूसरे शब्दों में मेरा आशय यह है कि आप इस निजी क्षेत्र की उत्पादन परियोजनाओं की आरक्षित निधियों में भागीदार बन रहे हैं?

श्री श्रीधर: निजी क्षेत्र की परियोजनाएं लगातार हमें प्राप्त हो रही हैं और हम उनके लिए निधियन करते आ रहे हैं। अतः मैं यह नहीं कहूंगा कि निजी क्षेत्र की सभी परियोजनाएं हमारे पास आ रही हैं परंतु निःसंदेह निजी क्षेत्र की परियोजनाएं हमें प्राप्त हो रही हैं और हम उनका निधियन कर रहे हैं।

श्री हीरन देसानी: ठीक है। एक और प्रश्न जो शुल्क से संबंधित है। आपने बताया है कि सिंडीकेशन से संबंधित कुछ शुल्क और आप इसे विस्तार की गणना के भाग के रूप में मानते हैं, क्या आप इस संबंध में कोई स्पष्टीकरण दे सकते हैं?

श्री श्रीधर: ब्याज से होने वाली आय के अलावा, जब ऋण करार किया जाता है तो हमें ऋणग्राही से अप्रॉफिट शुल्क और अन्य शुल्क प्राप्त होते हैं, हम ब्याज से होने वाली अपनी आय के भाग के रूप में इसे रखते हैं और गणना के लिए इस भाग का प्रयोग करते हैं।

श्री हीरन देसानी: परंतु जटिल रूप से ऐसा नहीं है कि क्या इसे शुल्क से होने वाली आय अथवा अन्य आय के अंतर्गत रिपोर्ट किया जा सकता है?

श्री श्रीधर: शुल्क से होने वाली आय, उदाहरण के लिए परामर्श सेवाओं से होने वाली आय को हम शुल्क से होने वाली आय के रूप में लेते हैं, जो कि ऋण मंजूरीयों से संबंधित नहीं

हैं और फिर जो उधारी के रूप में नियमित रूप से प्राप्त होती हैं (विशेष रूप से उधारी) जिसको हम ब्याज से होने वाली आय के एक भाग के रूप में ही लेते हैं।

श्री हीरन देसानी: औसतन आपके संवितरण का कितने प्रतिशत आपको प्रतिबद्धता शुल्क अथवा मेरा आशय यह है कि आधारभूत ढंग से कितना प्रतिशत प्राप्त होता है...?

श्री श्रीधर: यह मंजूरी पर ही निर्भर करता है। आईएनआर 100 करोड़ तक हम कोई प्रतिबद्धता शुल्क प्रभारित नहीं करते हैं, उसके पश्चात यह संवितरित न की गई राशि के आधार पर केवल 0.25 प्रतिशत है। अन्य शुल्क आय में व्यवस्थापक का शुल्क, सिंडीकेशन शुल्क और इसी तरह के अन्य शुल्क शामिल हैं।

श्री हीरन देसानी: श्रीमान जी, क्या आप केवल प्रतिबद्धता शुल्क अथवा व्यवस्था शुल्क, सिंडीकेशन शुल्क को ही शामिल करते हैं...?

श्री श्रीधर: हर चीज।

श्री हीरन देसानी: हर चीज को आप ब्याज से होने वाली आय में ही शामिल करते हैं?

श्री श्रीधर: हां,

श्री हीरन देसानी: और इस तिमाही में क्या आप यह कह सकने में सक्षम होंगे कि अंदाजन इसकी मात्रा इतनी होगी?

श्री श्रीधर: यह बमुश्किल लगभग 1 प्रतिशत से भी कम होगी।

श्री हीरन देसानी: ब्याज से होने वाली आय की क्या स्थिति है?

श्री श्रीधर: हां, ब्याज से होने वाली आय, यह 1 प्रतिशत से कम है।

श्री हीरन देसानी: ठीक है, क्या सामान्य रेंज है, मेरा आशय यह है कि क्या यह हमेशा इतनी ही रहती है...?

श्री श्रीधर: लगभग इतनी ही।

श्री हीरन देसानी: ठीक है, आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री देसानी। अगला प्रश्न एसबीआई से रोहित शिम्पी का है। कृपया आगे कार्रवाई जारी रखें।

श्री रोहित शिम्पी: हैलो, नमस्कार श्रीमान जी। मेरा प्रश्न ऋण से संबंधित है कि चालू वर्ष में कितने ऋणों का मूल्य पुनर्निर्धारण किया जाना है। इसकी मात्रा क्या होगी?

श्री श्रीधर: हम उस राशि के बारे में चर्चा नहीं कर रहे हैं परंतु आप देखेंगे कि यह हमारे द्वारा अर्जित ब्याज से होने वाली आय से संबंधित है।

श्री रोहित शिम्पी: नहीं, मेरा आशय यह होगा कि क्या मोटे तौर पर यह कहना सही होगा कि चूंकि पुनर्निर्धारण अवधि 3 से 5 वर्ष है जिसके बारे में मेरा आशय यह है कि ऋण बही का जटिल रूप से 1/3, 1/4 हिस्सा चालू वर्ष में पुनर्निर्धारित किया जा सकता है अथवा क्या यह गलत अनुमान है?

श्री श्रीधर: यह सही अनुमान नहीं है क्योंकि 3 वर्ष की अवधि में से प्रत्येक वर्ष में कुछ निश्चित राशि ऐसी होती है जो पुनर्गठन से प्राप्त होती है।

श्री रोहित शिम्पी: ठीक है, आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री शिम्पी। अगला प्रश्न यूटीआई म्युचुअल फंड से श्री अमित प्रेमचंदानी का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री अमित प्रेमचंदानी: मेरा प्रश्न देयता अर्थात देयता के फ्लोटिंग भाग से संबंधित है। सामान्यतः पुनर्निर्धारण क्या है?

श्री श्रीधर: यह कोई विशेष पैटर्न नहीं है। कुछ ऋण पीएलआर पर निर्भर करते हैं, कुछ ऋण एक वर्ष की पुनर्निर्धारण अवधि पर आधारित होते हैं, यह कोई एक निश्चित पैटर्न तैयार नहीं करता है।

श्री अमित प्रेमचंदानी: क्या इसका कोई औसत मान उपलब्ध है?

श्री श्रीधर: नहीं,

श्री अमित प्रेमचंदानी: ठीक है, आपका धन्यवाद। श्रीमान जी, आपसे अन्य प्रश्न यह है कि प्रभावन क्षमता की वह राशि जो आप कर्ज इक्विटी अनुपात के रूप में आसानी से वहन कर सकते हैं, क्या है?

श्री श्रीधर: प्रभावन क्षमता 6.2 गुना है।

श्री अमित प्रेमचंदानी: और कर्ज इक्विटी अनुपात 4.85 है।

श्री श्रीधर: हमारी पूंजीगत पर्याप्तता भी 17.5 प्रतिशत है। परंतु यदि प्रभावन क्षमता 8 से ऊपर जाती है अथवा इस प्रकार हम उस पर पुनः नजर डालते हैं परंतु इसके बहुत अधिक आगे जाने की उम्मीद नहीं है।

श्री अमित प्रेमचंदानी: ठीक है श्रीमान जी, मेरी ओर से इतना ही, आपका धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री प्रेमचंदानी। अगला प्रश्न एचडीएफसी म्यूचुअल फंड से श्री आनंद लढा का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री आनंद लढा: हाय सर, मैं केवल इतना जानना चाहता हूँ, अभी आपने उत्पादन के लिए प्रोत्साहन का उल्लेख किया, आप परियोजनाओं के आधार पर 11.5 प्रतिशत से 13.5 प्रतिशत प्रभार वसूल कर रहे हैं। अतः यह कहना निष्पक्ष है कि उत्तरोत्तर विस्तार लगभग 3 प्रतिशत है? - - -

श्री श्रीधर: क्या आप अंतिम वाक्य पुनः दोहराएंगे?

श्री श्रीधर: नहीं, मैं इस ढंग से टिप्पणी नहीं करना चाहूँगा, क्योंकि विस्तार ब्याज होने वाली आय और लागत दोनों का कार्य है। दूसरी ओर ब्याज से होने वाली आय सभी परियोजनाओं से होती है। इसके लिए केवल उत्पादन परियोजनाओं का ही होना आवश्यक नहीं है। अतः मैं यह टिप्पणी करना चाहूँगा कि इस बार विस्तार लगभग 2.66 प्रतिशत है परंतु हम लगभग 2 प्रतिशत या उससे अधिक विस्तार बनाए रखने में सफल होंगे।

श्री आनंद लढा: इस प्रकार मैंने केवल उत्तरोत्तर विस्तार का उल्लेख किया है। इस प्रकार हम जो भी उत्तरोत्तर विस्तार का प्रकटन कर रहे हैं क्या यह लगभग 3 प्रतिशत है?

श्री श्रीधर: मैं उत्तरोत्तर विस्तार अथवा किसी भी चीज पर टिप्पणी करना नहीं चाहूँगा, परंतु मैं यह अवश्य कहूँगा कि हम 2 प्रतिशत अथवा उससे अधिक का संपूर्ण विस्तार बनाए रखना चाहेंगे।

श्री आनंद लढा: अति उत्तम श्रीमान जी।

श्री श्रीधर: और फिर दूसरी ओर हमारी ब्याज दर 11.5 प्रतिशत से 12.5 प्रतिशत है, पूर्व में मैंने बताया था कि यह 13.5 प्रतिशत है, ऐसा नहीं है, यह 11.5 से 12.5 प्रतिशत है।

श्री आनंद लढा: और निधियों की लागत 8.6 प्रतिशत है।

श्री श्रीधर: हां।

श्री आनंद लढा: - ठीक है श्रीमान जी, आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री लढा। अगला प्रश्न एलचेमी शेयर से श्री राहुल जैन का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री राहुल जैन: श्रीमान जी, मेरे दो प्रश्न हैं, सबसे पहले मैं यह जानना चाहता हूँ कि आपने इस तिमाही के दौरान शुल्क से होने वाली कितनी आय अर्जित की है, क्या आप इसका उल्लेख कर सकेंगे?

श्री श्रीधर: इस तिमाही के दौरान हमने लगभग आईएनआर 20 करोड़ रुपए की शुल्क से होने वाली आय अर्जित की है जो हमारे विस्तार विश्लेषण का भी अंश है। हमने शुल्क से होने वाली अन्य आय अर्जित नहीं की है क्योंकि शुल्क से होने वाली अन्य हमारी सहायक कंपनी को होती है।

श्री राहुल जैन: ठीक है। और श्रीमान जी, इस एपीडीआरपी की क्या स्थिति है, लगभग आईएनआर 10,000 करोड़ रुपए के संवितरण के लिए आप शुल्क से होने वाली कितनी आय अर्जित करते हैं?

श्री श्रीधर: जैसा मैंने आपको बताया है कि हम आर एपीडीआरपी में स्वीकृत राशि का 1 प्रतिशत शुल्क से होने वाली आय के रूप में प्राप्त कर रहे हैं।

श्री राहुल जैन: अतः क्या यह संपूर्ण आईएनआर 50,000 करोड़ रुपए की राशि पर लागू है?

श्री श्रीधर: नहीं, यह केवल भाग क पर लागू है, हम भाग क अर्थात् 10,000 करोड़ रुपए पर 1 प्रतिशत अर्जित कर रहे हैं।

श्री राहुल जैन: हां, और भाग ख की क्या स्थिति है?

श्री श्रीधर: हां, हमें भाग ख की स्वीकृत राशि पर भी 1 प्रतिशत शुल्क के रूप में प्राप्त होगा।

श्री राहुल जैन: ठीक है। अतः आप दोनों चीजों पर 1 प्रतिशत की राशि अर्जित करेंगे?

श्री श्रीधर: हां,

श्री राहुल जैन: ठीक है। और मेरा आशय यह है कि कवरेज अनुपात सपाट है, मेरा आशय मूलतः स्थायी तिमाही दर तिमाही आधार से है। अतः क्या इसका आशय यह है कि तिमाही के दौरान ऋण हानियों के मद में कोई प्रावधान नहीं किया गया?

श्री श्रीधर: हां, इस संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया है; पुनः हमारा एनपीए स्तर समान है। हमारे एनपीए स्तर में कोई वृद्धि अथवा कमी नहीं हुई है। इस प्रकार यह स्तर समान है।

श्री राहुल जैन: ठीक है, अतः क्या आप यह स्तर आगे भी बनाए रखेंगे?

-- -- --

श्री श्रीधर: हमें ऐसी आशा है, हम ऐसा ही चाहते हैं।

श्री राहुल जैन: श्रीमान जी, पारेषण और वितरण के लिए संवितरण पर आप किस प्रकार की लब्धि अर्जित करते हैं? क्या इसकी जानकारी देना संभव है?

श्री श्रीधर: यह ऋणग्राही पर निर्भर करता है। यह उस रेटिंग पर निर्भर करता है जो उन्हें प्राप्त होती है। इस प्रकार हमारी उधारी दर लगभग 11.5 प्रतिशत होगी।

श्री राहुल जैन: --क्या पारेषण और वितरण में भी?

श्री श्रीधर: हां।

श्री राहुल जैन: ठीक है। श्रीमान जी, केवल एक अथवा दो बातें और। संसाधन प्रोफाइल में आपने उल्लेख किया है कि भारत सरकार से प्राप्त आर एपीडीआरपी निधि लगभग आईएनआर 46 करोड़ रुपए है। अतः यह राशि आपने भाग क में प्राप्त की है जो आपने मंजूर की होगी?

श्री श्रीधर: भाग-क।

एडेलवीस

विचारों का सृजन, मूल्यों की रक्षा

एडेलवीस

विचारों का सृजन, मूल्यों की रक्षा

श्री राहुल जैन: बिल्कुल ठीक, एवं यह सब्सिडी ब्याज कोष क्या है, क्या आप अभी बता सकते हैं, मेरा तात्पर्य है कि क्या यह अभी संभव है?

श्री श्रीधर: 9वीं एवं 10वीं पंचवर्षीय योजना में एक त्वरित उत्पादन एवं आपूर्ति कार्यक्रम था जिसका भारत सरकार द्वारा शुभारंभ किया गया था। हम ऋणग्राहियों को सब्सिडी देने के लिए एक एजेंसी थे, वह सब्सिडी राशि है।

श्री राहुल जैन: अति उत्तम।

श्री श्रीधर: यह सब्सिडी है।

श्री राहुल जैन: बिल्कुल ठीक, मैं सोचता हूँ मेरी ओर से इतना ही, आपको बहुत धन्यवाद।

संचालक: श्री जैन आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न कोटक इंस्टिट्यूशनल इक्विटी से श्री निस्चिंत सी. का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री निस्चिंत सी: हां, हाय। यदि मैंने इसे सही सुना, क्या आपने कहा कि संपूर्ण वर्ष के लिए आपके पास एक आईएनआर 20,000 करोड़ का एक संवितरण लक्ष्य है?

श्री श्रीधर: आईएनआर 23,000 करोड़।

श्री निस्चिंत सी: आईएनआर 23,000 करोड़ और इसमें एपीडीआरपी का 2,000 करोड़ सम्मिलित है क्या यह है?

श्री श्रीधर: हां।

श्री निस्चिंत सी: बिल्कुल ठीक। एवं ऋण लाभों के क्रमों में मेरा तात्पर्य यदि मैं ऋण लाभों को पूर्व 2 से 3 तिमाहियों के दौरान संगत / समान रूप से बढ़ते हुए देखता हूँ। मैं केवल इतना जानना चाहता हूँ?

श्री श्रीधर: हमने एक ऋण संशोधित दर पर जारी किया था, हमने ऋण में जारी दर पर ½ प्रतिशत कमी की है।

श्री निश्चिंत सी: बिल्कुल ठीक। एवं वह वृद्धि किए जाने वाले ऋणों एवं पुनर्स्थापन इत्यादि के लिए होगा।

श्री श्रीधर: हां।

श्री निश्चिंत सी: बिल्कुल ठीक। अतः आप सचमुच में मेरा प्रभाव देखना, आशय प्रभाव शुरू होने की अपेक्षा कब प्रारंभ करेंगे?

श्री श्रीधर: किन्हीं नए भुगतान हेतु नयी दर लेने पर।

श्री निश्चिंत सी: बिल्कुल ठीक।

श्री श्रीधर: ब्याज दर के परिवर्तन की तिथि से संभावित भुगतान, नई दर ग्रहण करती है।

श्री निश्चिंत सी: बिल्कुल ठीक। एवं इस अल्प आइटम पर केवल एक छोटा प्रश्न जिसे मैं तुलनपत्र में दूंगा, वहां एपीडीआरपी के कारण कोष की कुछ राशि जो तुलनपत्र में दर्शाने का कारण है। मैं जानना चाहता हूँ कि सरकार द्वारा आपको दिया गया अग्रिम, मेरा आशय उस आइटम.... के लिए अत्यधिक कम है ?

श्री श्रीधर: हमें संवितरण की प्रतिपूर्ति करनी होगी, जिसे हमने एपीडीआरपी के विपरीत जारी किया है, क्योंकि राशि अधिक प्राप्त हुई है जिसे हमें अभी संवितरित करना है।

श्री निश्चिंत सी: बिल्कुल ठीक है, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक: श्री निश्चिंत सी., आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न स्टैंडर्ट चार्टर्ड कैपिटल मार्किट के श्री शशिकिरण राव का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री शशिकिरण राव: आपकी प्रसारण स्वीकृतियों में मूलरूप से वर्ष दर वर्ष वृद्धि हुई है, यह इसलिए है कि आप पूर्णरूप से राज्यों के लिए विद्युत ग्रिड परियोजनाओं के लिए स्वीकृतियां करते रहे हैं?

श्री श्रीधर: वर्तमान अवधि में हमने विद्युत ग्रिड के लिए कुछ स्वीकृत नहीं किया है, परंतु हम प्रसारण परियोजनाओं में अपना अंश बढ़ा रहे हैं, अतः राज्य विद्युत बोर्ड की ओर से एक प्रस्ताव मिला है, जिसे हमने स्वीकृत कर दिया है।

श्री शशिकिरण राव: बिल्कुल ठीक। अतः क्या वृद्धि पूर्णरूप से राज्य विद्युत बोर्ड की ओर से है?

श्री श्रीधर: हां, राज्य विद्युत बोर्ड से ही।

श्री शशिकिरण राव: बिल्कुल ठीक, श्रीमान जी, आपको धन्यवाद, यही मेरे प्रश्न का उत्तर है।

संचालक: श्री राव आपको धन्यवाद। अगला अनुवर्ती प्रश्न रेलीगियर एएमसी से श्री अमित गनात्रा का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री अमित गनात्रा: हां, श्रीमान, मेरे अन्य सभी प्रश्नों का जबाब मिल गया है, केवल एक पूर्व प्रश्न कि मैंने पूछा था कि चौथी तिमाही की तुलना में चल लागत में कमी का क्या कारण है?

श्री श्रीधर: 2008-2009 के अंत में हमने एक पृथक परामर्शदायी सहायक कंपनी का निर्माण किया है।

श्री अमित गनात्रा: हां, मैं सुन रहा हूँ।

श्री श्रीधर: निश्चित व्यय जिन्हें एक परामर्श व्ययों के रूप में आरक्षित किया गया है, अब यह इस वर्ष में नहीं आता है, क्योंकि यह सहायक खाते में जा रहा है।

श्री अमित गनात्रा: बिल्कुल ठीक। और क्या आप तिमाही आधार पर उन सहायक खातों को प्रकट नहीं करते हैं?

श्री श्रीधर: समेकन के दौरान हम प्रकटन करेंगे परंतु यह केवल पहली तिमाही का परिणाम है। अतः यह केवल पीएफसी का परिणाम है।

श्री अमित गनात्रा: बिल्कुल ठीक, इस प्रकार पूरे वर्ष का कब किया जाएगा...?

श्री श्रीधर: समेकन पर हम लेखे में सहायक व्यय और आय भी शामिल करेंगे।

श्री अमित गनात्रा: ठीक है।

श्री श्रीधर: यही अंतर है।

श्री अमित गनात्रा: बिल्कुल ठीक। आपको धन्यवाद।

संचालक: श्री गनात्रा, आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न ग्लोबल इन्वेस्टमेंट से श्री संदीप चोपड़ा का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री संदीप चोपड़ा: हां, नमस्कार श्रीमान जी, केवल एक छोटा प्रश्न। हमने तिमाही के दौरान किस दर पर, कितनी राशि उधार ली है?

श्री श्रीधर: कृपया एक मिनट ठहरिए।

श्री संदीप चोपड़ा: हां।

श्री श्रीधर: हमने 6.8 प्रतिशत की एक औसत लागत की दर से आईएनआर 2,500 करोड़ रुपये के लगभग उधार लिए हैं।

श्री संदीप चोपड़ा: बिल्कुल ठीक। आपको धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद चोपड़ा जी। अगला प्रश्न रेलीगियर कैपिटल से श्री ईशांक कुमार का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री ईशांक कुमार: हां श्रीमान, केवल एक प्रश्न। क्या आपने कोई अल्प अवधि या अति अल्प अवधि उधारी गठित की है जो इस तिमाही में वाणिज्यिक समाचार पत्र जैसा है?

श्री श्रीधर: यह हमेशा होता है, एएलएम की मांग पर अल्प अवधि या लंबित अवधि हमारी उधारी का एक भाग है, यदि एएलएम मांग है तो हम 3 माह, 6 माह के लिए भी उधार लेते हैं।

श्री ईशांक कुमार: बिल्कुल ठीक, श्रीमान जी। श्रीमान जी आपका वर्तमान दायित्व इस तिमाही में लगभग 1000 करोड़ रुपए बढ़ा है... अतः क्या आप मुझे बता सकते हैं कि उसके पीछे क्या कारण हैं?

श्री श्रीधर: एक मिनट ठहरिए। यह संचित व्ययों के कारण है, परंतु प्रत्याशित नहीं।

श्री ईशांक कुमार: बिल्कुल ठीक श्रीमान जी, आपको धन्यवाद।?

संचालक: धन्यवाद कुमार। अगला प्रश्न दलाल एंड ब्रोचा से श्री ललिताभ श्रीवास्तव का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री ललिताभ श्रीवास्तव: हां, धन्यवाद। मेरे प्रश्न का उत्तर दिया जा चुका है।

संचालक: श्रीवास्तव जी आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न एलकेभी शियर्स से श्री राहुल जैन का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री राहुल जैन: श्रीमान केवल इस संचरण स्वीकृतियों एवं संचरण परियोजनाओं पर एक अनुवर्ती प्रश्न। तिमाही के दौरान आपने परियोजनाओं के मूल्य 42 बिलियन अमेरिकी डॉलर के लगभग स्वीकृत किए। ओर यदि आप केंद्रीय क्षेत्र में ऋणग्राही अनुसार पर नजर डालें तो आपने 37 बिलियन अमेरिकी डॉलर के

लगभग स्वीकृति की है। यदि मैं ठीक हूँ, क्या मैं यह जान सकता हूँ कि यह मुख्य रूप से राज्य विद्युत बोर्डों को दिया गया है?

श्री श्रीधर: इस समय सही विवरण मेरे सामने नहीं है, यदि आप ई-मेल से अनुरोध भेजते हैं, तो मैं आपको जबाब दे सकता हूँ।

श्री राहुल जैन: मैं ऐसा ही करूंगा श्रीमान जी। एवं श्रीमान केवल एक अंतिम बात, क्या सावधि ऋणों पर कोषों की वृद्धि की दृष्टि से यह लागत, मेरा आशय जो कुछ राशि आपने बैंको से एकत्र की है, को स्पष्ट कर पाना संभव है?

श्री श्रीधर: मैंने पहले ही कह दिया है कि आईएनआर 2500 करोड़ रुपये केवल बैंकों से ही प्राप्त नहीं किया है, इस तिमाही में 6.8 प्रतिशत की औसत लागत पर कुल संचित कोष आईएनआर 2500 करोड़ रुपये हैं।

श्री राहुल जैन: हां। अतः सावधि ऋण उपलब्ध नहीं होगा। मेरा आशय विभाजन उपलब्ध नहीं होगा?

श्री श्रीधर: एक मिनट ठहरिए, आप केवल एकमात्र सावधि ऋण चाहते हैं।

श्री राहुल जैन: हां।

श्री श्रीधर: यह आईएनआर 1500 करोड़ रुपये के लगभग है।

श्री राहुल जैन: बिल्कुल ठीक। एक औसत पर...?

श्री श्रीधर: एवं औसत लागत 6.5 प्रतिशत है।

श्री राहुल जैन: बिल्कुल ठीक। आपको बहुत-बहुत धन्यवाद श्रीमान।

संचालक: श्री जैन आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न सहारा म्युचुअल फंड से दर्शना जोशी का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

दर्शना जोशी: हां। नमस्कार श्रीमान जी। केवल एक छोटा स्पष्टीकरण, आपने कहा कि विस्तारों का कुछ अंश 2 प्रतिशत तक नीचे आ सकता है। अतः क्या मानना ठीक होगा कि निबल ब्याज सीमाएं भी 3.5 प्रतिशत पर नीचे आएंगी?

श्री श्रीधर: मैंने नहीं कहा है कि विस्तार 2 प्रतिशत तक आएंगे, जो कुछ मैं यह कह रहा हूँ कि हमने 2.6 प्रतिशत का लक्ष्य बनाए रखा है, इस तिमाही में हमने 2.66 प्रतिशत तक लक्ष्य प्राप्त किया है। इसलिए कि हम वृद्धि कम होने पर भी अपनी उधारी की लागत भी घटाने में सक्षम हैं। मैं यह नहीं कह सकता कि हम सदैव 2.66 प्रतिशत लक्ष्य बनाए रखेंगे... बाजार की स्थिति को ध्यान में रखते हुए 2 प्रतिशत तक कम या अधिक तक रख सकते हैं।

दर्शना जोशी: हां, अतः निबल ब्याज सीमाएं 3.5 प्रतिशत से अधिक होंगी, क्या मैं सही सोच रहा हूँ?

श्री श्रीधर: मैं राशि का आंकलन पंसद नहीं करूंगा।

दर्शना जोशी: बिल्कुल ठीक, धन्यवाद।

संचालक: आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न इनाम होल्डिंग्स से श्री जिगर चावला का है, कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री जिगर चावला: हां, मैं केवल संवितरण के आंकड़ों की जांच करना चाहता हूँ, गत वर्ष, वित्त वर्ष 2009 के दौरान आपने 21,000 करोड़ रूपए का संवितरण किया है, और आप दर्शा रहे हैं कि आपसे 23,000 करोड़ रूपए की योजना बनाई है जिसमें एपीडीआरपी से 2,000 करोड़ रूपए शामिल हैं जो वर्ष दर वर्ष आधार पर सपाट संवितरण दर्शाएगा, क्या यह स्थिति एक्स एपीडीआरपी की वजह से है?

श्री श्रीधर: हमारा एपीडीआरपी सहित आईएनआर 23000 करोड़ रूपए का संवितरण करने के लिए भारत सरकार से एक प्रतिबद्धता है, परंतु हमें उससे बेहतर लक्ष्य प्राप्त करना है और हमने जो प्रतिबद्धता भारत सरकार से की है हम उससे बेहतर प्राप्त कर रहे हैं। इसलिए इस वर्ष हम प्रतिबद्धता से अधिक प्राप्त करेंगे।

श्री जिगर चावला: बिल्कुल ठीक, मैं केवल यह चाहता हूँ...

संचालक: श्री चावला, आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न करमा कैपिटल के श्री पुनित जैन का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री पुनीत जैन: श्रीमान आपने अपने वर्तमान ऋण अदायगी दर 11.5 प्रतिशत रहने के बारे में उल्लेख किया था, क्या आपने अपने 50 बीपीएस के बाद दरें कम कर दी गई हैं?

श्री श्रीधर: हां।

श्री पुनीत जैन: अतः उसका आपकी वर्तमान बही पर?

श्री श्रीधर: ब्याज दरों में परिवर्तन की दर होने पर भुगतान भी नई दर पर किया जाता है। इसलिए मैंने कहा था कि हमने ब्याज दर मई के मध्य में परिवर्तित की गई हैं अतः मई मध्य के पश्चात होने वाला भुगतान नई दर पर ही लिया गया है।

श्री पुनीत जैन: एवं यह विद्यमान दर क्या कभी पुनर्मूल्यांकन पर आएगी।?

श्री श्रीधर: हां।

श्री पुनीत जैन: परंतु यदि आप इसकी एक वर्ष पूर्व की दर से तुलना करें तो क्या वह एक वर्ष पूर्व की दर से 50 बीपीएस कटौती से कम या अधिक होगा यदि आप वर्ष दर वर्ष तुलना करते हैं?

श्री श्रीधर: मैं वर्ष दर वर्ष तुलना करने के पक्ष में नहीं हूँ, परंतु मैं सोचना हूँ कि हमने प्रजेंटेशन में अपने लाभ के संकेत आपके को दे दिए हैं।

श्री पुनीत जैन: अतः क्या इसका यह आशय है कि आप अपनी इस तिमाही में लगभग 11.3 प्रतिशत लाभ बनाए रख सकेंगे?

श्री श्रीधर: कृपया ध्यान दें, लाभ एक औसत तथ्य है, अतः यह घट या बढ़ सकता है। मैंने कहा है कि वर्तमान ऋण अदायगी के संबंध में यह 11.5 प्रतिशत है। अतः ग्राहकों के लिए भिन्न-भिन्न दरें होने के कारण लाभ कारोबार के आकार और प्रभावित होने वाले पर निर्भर करेगा।

श्री पुनीत जैन: ठीक है, आपको बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक: श्री जैन, आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न यूबीएस के श्री पंकज शर्मा का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री पंकज शर्मा: हां, श्रीमान जी, केवल एक अनुवर्ती प्रश्न। मैं वित्त वर्ष 2011 एवं वित्त वर्ष 2012 के भुगतान के बारे में कुछ जानता हूँ। परंतु क्या आपके पास कोई ऐसा विचार है जिससे आप इन वर्षों के अंतराल में अपने भुगतान एवं वित्त वर्ष 2010 में आईएनआर 23,000 करोड़ रुपए के भुगतान में और वृद्धि कर सकेंगे?

श्री श्रीधर: हम पंचवर्षीय योजना में आईएनआर 1,28,000 करोड़ रुपए के भुगतान की आशा करते हैं।

श्री पंकज शर्मा: 1,28,000 करोड़ रुपए?

श्री श्रीधर: आईएनआर 1,28,000 करोड़ रुपए।

श्री पंकज शर्मा: बिल्कुल ठीक।

श्री श्रीधर: हमने भुगतान में वर्ष दर वर्ष लगभग 25 प्रतिशत की प्राप्त कर ली है। अतः आने वाले महीनों में हम उस स्तर को प्राप्त करने के लिए भी प्रयास कर रहे हैं।

श्री पंकज शर्मा: बिल्कुल ठीक श्रीमान जी, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक: श्री शर्मा आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न प्रभुदास लीलाधर से श्री भरत गोरसिया का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री भरत गोरसिया: श्रीमान एक छोटा प्रश्न। वर्ष 2009 की चौथी तिमाही में परिसंपत्ति पर लाभ 11.2 प्रतिशत है जबकि वर्ष 2010 की पहली तिमाही में 11.3 है। अतः एक ओर आप कह रहे हैं कि आपने अग्रिमों पर अपने लाभों को कम कर दिया है, फिर यह त्रुटि कैसे हुई क्योंकि...?

श्री श्रीधर: जैसा कि मैंने आपसे कहा है कि ब्याज दर कटौती विशिष्ट दर है जो भुगतान की तिथि पर की जा रही है। लाभ पोर्टफोलियो का एक औसत कारक है। अतः कटौती मध्य मई में प्रभावित हुई थी।

श्री भरत गोरसिया: नहीं श्रीमान जी, ऐसा नहीं है, उस बिंदु को भलीभांति ध्यान में रखा गया है परंतु मैं जो कुछ कह रहा हूँ वह यह है कि इसे स्थिर होना चाहिए, इसकी लब्धि में वृद्धि होनी चाहिए मैं केवल इतना ही चाहता हूँ, क्या ऐसा हो सकता है....?

श्री श्रीधर: हमने गत वर्ष की तीसरी तिमाही एवं चौथी तिमाही में ब्याज दरों में वृद्धि की है।

श्री भरत गोरसिया: श्रीमान, मैं तिमाही दर तिमाही के संबंध में बात कर रहा हूँ न कि वर्ष दर वर्ष।

श्री श्रीधर: मैं यह कह रहा हूँ कि तीसरी से चौथी तिमाही में वास्तविक रूप से ब्याज दरों में वृद्धि की गई है, ऐसे ऋण जो पोर्टफोलियो में शामिल जा रहे हैं, वे केवल दर में वृद्धि के लिए ही अपना योगदान करेंगे।

श्री भरत गोरसिया: बिल्कुल ठीक, मैंने आपके प्वाइंट्स को समझ लिया है।

श्री श्रीधर: बिल्कुल ठीक।

श्री भरत गोरसिया: हां, श्रीमान जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक: श्री गोरसिया आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न सुमितोमो मित्सुई एएमसी से श्री तुषार जैन का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री तुषार जैन: श्रीमान, मैं केवल दो प्रश्न पूछना चाहता हूँ, आपने कहा कि आपने मध्य मई में 50 आधार बिंदुओं द्वारा ऋण भुगतान दरों के लिए अपने लाभों में कटौती की है क्या यह ठीक है?

श्री श्रीधर: हां।

श्री तुषार जैन: एवं अपने दृष्टिकोणों को एक मासिक आधार पर परिशोधित करेंगे या यह मासिक घटना है। आप ज्यादातर किस प्रकार इन दरों को परिभाषित करते हैं?

श्री श्रीधर: उस के लिए कोई निर्धारित अवधि नहीं है जैसे जब हम महसूस करते हैं तो बाजार में दर मांग के आधार पर इन दरों में वृद्धि या कटौती करते हैं।

श्री तुषार जैन: बिल्कुल ठीक, परंतु आप कहते हैं कि वहां बैठक का कानूनी अधिकार कुछ नहीं है। आप दरों को परिशोधित नहीं कर सकते बल्कि आप एक फ्रिक्वेंसी पर उन संख्याओं का अवलोकन करेंगे?

श्री श्रीधर: यह नियतकालिकता पर है।

श्री तुषार जैन: वह नियतकालिकता है या तिमाही?

श्री श्रीधर: यहां तक कि अधिकतम बार है।

श्री तुषार जैन: अधिकतम, बिल्कुल ठीक। दूसरा प्रश्न श्रीमान जी, ऋण ग्राह्यता की लागत के बारे में है, आपने कहा कि क्या अब भी ऋणग्राह्यता लागत तिमाही के प्रारंभ से वृद्धि कर चुकी है?

श्री श्रीधर: हम पहली तिमाही में उधारी लागत कम करने के योग्य थे, परंतु संकेत हैं कि उधारी लागत वृद्धि कर सकती है।

श्री तुषार जैन: नहीं, मेरा आशय वृद्धि संबंधी उधारी से है, यदि आप बाजार जाते हैं तो जो आज दर आपसे वसूली जाएगी वह 3 माह पूर्व चार्ज की गई दर से अधिक होगी, क्या यह ठीक है?

श्री श्रीधर: हां।

श्री तुषार जैन: और, आप सोचते हैं कि क्या आगे भी ब्याज दरों और अधिक बढ़ेंगी?

श्री श्रीधर: इस संबंध में बहुत से अनुमान लगाए जाते हैं। यदि क्रेडिट बाजार अच्छी वृद्धि होती है, यदि सरकारी उधारी उसी के अनुरूप होने वाली है, और यदि मानसून भी अच्छा निष्पादन नहीं करता है, हां, तो ब्याज दरें और बढ़ सकती हैं। परंतु यदि हम अच्छी वृद्धि करते हैं और एफआईआई में गिरावट होती है, तो तरलता बनाए रखी जाएगी और हो सकता है कि ब्याज दरें अतनी अधिक न बढ़ें।

श्री तुषार जैन: परंतु फिर भी क्या थोड़ी बहुत वृद्धि होगी?

श्री श्रीधर: वह एक मिलियन डॉलर का प्रश्न है; हम बाजार की भी निगरानी कर रहे हैं।

श्री तुषार जैन: बिल्कुल ठीक। नहीं, क्योंकि इस विस्तार के बारे में बहुत अधिक चर्चा कर ली है, इस प्रकार औसत आधार पर लंबी अवधि के संबंध में पूर्ण विचार यह बनता है कि आपने अपनी उधारी दरें घटायीं हैं, अपनी उधारी दरों को कम किया है और आपकी उत्तरोत्तर उधारी लागत बढ़ रही है, निबल-निबल आधार पर देखें तो आपने 2.66 प्रतिशत का विस्तार किया है तो निश्चित रूप से ही इसे कम होना है, हो सकता है आप इस लगभग 2 प्रतिशत बनाए रखने में सफल रहें परंतु आपको आने वाले समय में इसमें कुछ कमी का सामना करना पड़ सकता है, क्या मैं सही हूँ?

श्री श्रीधर: मैं उस पर टिप्पणी नहीं चाहूँगा, यह केवल अनुमान है।

श्री तुषार जैन: हां, परंतु एक सामान्य स्तर पर?

श्री श्रीधर: इस संबंध में आप अंतिम निर्णय बेहतर ढंग से ले सकते हैं।

श्री तुषार जैन: बिल्कुल ठीक, आपको बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक: श्री जैन, आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न मारवाड़ी फाइनेंस लि. से श्री लक्ष्मी आहूजा का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री श्रीधर: हमारे कार्यकारी निदेशक श्री नागराजन हमारे बीच उपस्थित हो गए हैं अतः अब प्रश्नों का उत्तर वे ही देंगे।

श्री लक्ष्मी आहूजा: नमस्कार, श्रीमान जी, आपकी सकल पूंजी पर्याप्तता टियर I पूंजी द्वारा है, अतः क्या वहां कोई संभावना है कि पूंजी गठन आगे पूंजी टियर-II द्वारा हो सकती है?

श्री आर नागराजन: आज की तारीख 17.51 की पूंजी पर्याप्तता के साथ मुझे नहीं लगता है कि आने वाले कम से कम एक वर्ष में पूंजी की कोई आवश्यकता है।

श्री लक्ष्मी आहूजा: यह ठीक है, क्या अगले एक वर्ष के लिए आप टियर-2 पूंजी संभावना के बारे में विचार नहीं कर रहे हैं?

श्री आर नागराजन: हां, उसके संबंध में गत वर्ष इसमें परिवर्तन अवश्य हुए होंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने सभी एनबीएफसी को परपैचुअल बांड भी जारी करने की अनुमति प्रदान की है, अतः हम सीधे आईपीओ मार्ग का चयन करने के बजाय परपैचुअल कर्ज के बारे में भी विचार कर सकते हैं।

श्री लक्ष्मी आहूजा: ठीक है श्रीमान जी, मेरा अगला प्रश्न अस्थगित कर देयता के संबंध में है, क्या इस प्रकार की कोई संभावना है कि क्या आपको अभी भी डीटीएल सृजित करने की आवश्यकता होगी, क्या अभी भी डीटीएल जैसी कोई चीज उपलब्ध है?

--

श्री आर नागराजन: क्यों? इस डीटीएल में हमें मूल्यह्रास अथवा पट्टे से होने वाली आय अथवा विनिमय हानि या विनिमय लाभ पर डीटीएल सृजित करना पड़ा था। यह इस बात पर निर्भर था कि यह आगे चलकर डीटीए अथवा डीटीएल किसमें परिवर्तित होगा, कम से कम विशेष आरक्षित निधियों पर नहीं।

श्री लक्ष्मी आहूजा: ठीक है, धन्यवाद श्रीमान जी। क्या यही है?

संचालक: श्री आहूजा, आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न एशियन बाजार सेक्युरिटीज से श्री कमलेश कोटक का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री कमलेश कोटक: श्रीमान जी, मैं आपसे एक जानकारी चाहता हूँ कि नई यूएमपीपी की स्थिति क्या है?

श्री आर नागराजन: जहां तक तिलैया यूएमपीपी का संबंध है, इसका हस्तांतरण इसी वित्त वर्ष में किया जा सकता है। अन्य यूएमपीपी की स्थिति यह है कि तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा के लिए आरएफक्यू दूसरी छमाही अर्थात् वर्ष 2009 10 के उत्तरार्ध में किए जा सकते हैं। अन्य यूएमपीपी के संबंध में अलग अलग चरण पर कार्रवाई चल रही है, जिस पर हम कोई प्रतिबद्धता व्यक्त नहीं कर सकते हैं।

श्री कमलेश कोटक: बिल्कुल ठीक, परंतु क्या हम तिलैया के अतिरिक्त अन्य यूएमपीपी को अंतिम रूप दिए जाने के लिए इस वर्ष के अंत में अपेक्षा कर सकते हैं?

श्री आर नागराजन: हम प्रतिबद्धता नहीं दे सकते, यदि यह ठीक ठाक होता है तो यह बोनाजा होगा, परंतु हम नहीं कह सकते कि यह 31 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा।

श्री कमलेश कोटक: ठीक है श्रीमान जी। क्या आरईसी जैसी विनिवेश योजनाओं का कोई प्रावधान किया गया है, क्या आरईसी ने भी इक्विटी डाइल्यूट करने के

लिए आवेदन किया है जिससे कि वे अपनी निधियां बढ़ा सकें और अपनी इक्विटी को सुदृढ़ कर सकें?

श्री आर नागराजन: हम गत वर्ष आरबीआई द्वारा दी गई अनुमति के अनुसार परपैचुअल बांड के मार्ग पर भी विचार कर सकते हैं, और इससे हमारी पूंजीगत पर्याप्तता अनुपात में सुधार होगा और हमारी शेयरधारकों की निधियां किसी भी प्रकार प्रभावित नहीं होंगी। हम आपके एफपीओ का प्रत्यक्ष विकल्प चुनने के बजाय वास्तविक रूप से इस ढंग से विचार कर सकते हैं।

श्री कमलेश कोटक: यह ठीक है, आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक: श्री कोटक, आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न दाराशॉ एंड कंपनी से श्री मनीष ओस्टवाल का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री मनीष ओस्टवाल: यह ठीक है?

श्री श्रीधर: हां।

श्री मनीष ओस्टवाल: बिल्कुल ठीक, दायित्व जैसे पक्ष पर?

श्री श्रीधर: 81 निर्धारित एवं 19 अनिर्धारित।

श्री मनीष ओस्टवाल: परिसंपत्ति का औसत अवधि क्या है श्रीमान?

श्री श्रीधर: परिसंपत्तियां 5.74 वर्ष, दायित्व 3.98 वर्ष, परिसंपत्तियों की औसत परिपक्वता एवं दायित्वों की अवधि नहीं।

श्री मनीष ओस्टवाल: बिल्कुल ठीक। एवं श्रीमान आपका सीमा पर दृष्टिकोण क्या है?

श्री श्रीधर: जैसे हमें बताया कि 2007 से आगे हम 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत अंतर सहित 200 आधार बिंदुओं तक की सीमा का रखरखाव करेंगे।

श्री मनीष ओस्टवाल: बिल्कुल ठीक, धन्यवाद श्रीमान जी।

संचालक: श्री ओस्टवाल, आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न डीएनए से से श्री सीता रमन का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री सीता रमन: आपने कहा आप इस वर्ष आईएनआर 21,000 करोड़ रूपए का गठन करने-जा रहे हैं?

श्री आर नागराजन: हां।

श्री सीता रमन: अतः क्या आप अभी स्पष्ट कर सकेंगे कि आप आईएनआर 21,000 करोड़ रूपए को गठन करने के लिए क्या तरीके अपना रहे हैं?

श्री आर नागराजन: 21,000 करोड़ रूपए के विपरीत हमने पहले ही लगभग आईएनआर 2700 करोड़ रूपए जून 2009 तक एकत्रित कर लिए हैं। शेष, हमें लगभग आईएनआर 18000 करोड़ रूपए एकत्र करने हैं। हमने आरबीआई से सितंबर 2030 तक 300 मिलियन के ईसीबी की स्वीकृति प्राप्त कर ली है। यदि बाजार की दशा में सुधार होता है एवं यदि हमें घरेलू बाजार की तुलना में प्रतियोगी दर प्राप्त होती हैं तो हम ईसीबी के बारे में विचार कर सकते हैं। परंतु यदि आप नजर डालेंगे तो सामान्य बांड, जिसका कारोबार हम पहले से

ही कर रहे हैं और सामान्य ऋण जिनका ढांचा बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के साथ तैयार किया जा रहा है, इन मार्गों के माध्यम से ही धनराशि एकत्र करेंगे, कम से कम आज की तो यही स्थिति है।

श्री सीता रमन: बिल्कुल ठीक। एवं श्रीमान जी क्या एपीडीआरपी का भाग-क आईएनआर 10,000 करोड़ रूपए है, क्या मैं सही हूँ?

श्री आर नागराजन: आर एपीडीआरपी का भाग का आईएनआर 10,000 करोड़ रूपए है कि अतः आपको यह समझना चाहिए कि यह पीएफसी को किया गया निधियन नहीं है, यह प्रत्यक्ष रूप से राज्य विद्युत बोर्डों को किया जाने वाला निधियन है हम केवल मध्यस्थ की भूमिक अदा करते हैं। धन उधार देते समय पीएफसी द्वारा कोई अतिरिक्त राशि नहीं जोड़ी जाती है, यह सरकार से प्राप्त धनराशि है जो उन्हें आगे जारी की जाती है। हम केवल स्वीकृत राशि का 1 प्रतिशत शुल्क के रूप में प्राप्त करते हैं। अतः यदि मंजूरी आईएनआर 10,000 करोड़ रूपए है तो हमें शुल्क के रूप में आईएनआर 10 करोड़ रूपए प्राप्त होंगे, इस प्रकार यह हमारे कारोबार का लाभ (मार्जिन) है।

श्री सीता रमन: इस प्रकार यह आईएनआर 10,000 करोड़ रूपए का विस्तार आगामी 3 वर्ष तक है?

श्री आर नागराजन: नहीं, यह इस वर्ष लगभग 2,000 होगा, हो सकता है 2 वर्ष बाद 2012 के अंत तक यह आईएनआर 10,000 करोड़ रूपए तक पहुंच सकता है।

श्री सीता रमन: ठीक है, आपका बहुत बहुत धन्यवाद श्रीमान जी।

संचालक: श्री रमन, आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न कैपिटल मार्किट से श्री लक्ष्मी मनोहर का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री लक्ष्मी मनोहर: मेरे प्रश्नों का उत्तर मिल गया है।

संचालक: श्री मनोहर, आपको धन्यवाद। अगला प्रश्न मोर्गन स्टेनली से श्री जयेश गांधी का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री जयेश गांधी: श्रीमान जी, हमने देखा है कि अभी हाल की दो तिमाही में हमारा लाभ बढ़ा है, इस संबंध में आपका क्या विचार है, क्या इस लाभ को हम भविष्य में भी बनाए रख सकेंगे, क्या आपको कम ब्याज दर से विशेष रूप से जो लाभ प्राप्त हो रहा है उसका फायदा थोड़े समय के लिए ही सही, अपने ऋणग्राहियों को प्रदान करेंगे?

श्री आर नागराजन: आज प्रातःकाल यदि आपने हमारे सीएमडी का साक्षात्कार सुना हो, हमारे सीएमडी ने कहा कि ब्याज दरें कम करने की संभावना है। दूसरा प्रश्न हम वर्ष 2007 में आईपीओ जारी करने के समय से ही बनाए हुए हैं, हमने हमेशा केवल प्रतिबद्धता व्यक्त की कि हम 200 आधार बिंदुओं का लाभ बनाए रखने में सफल रहेंगे। यदि हमें बेहतर लाभ प्राप्त होता है तो यह हमारे लिए बोनांजा होगा; परंतु हम भविष्य में भी 200 आधार बिंदुओं का लाभ बनाए रखने का प्रयास करेंगे, इसमें 5 अथवा 10 प्रतिशत की कमी या वृद्धि हो सकती है।

श्री जयेश गांधी: ठीक है, अतः क्या आप यह कह सकेंगे कि आगामी दो तिमाही में हमें आपकी उधारी लब्धि में 25 से 50 आधार बिंदुओं की वास्तविक कमी देखने को मिलेगी?

श्री आर नागराजन: संपूर्ण औसत में बहुत अधिक गिरावट नहीं होगी, परंतु यदि हम उसके लिए दर में लगभग 25 आधार बिंदु की कमी करते हैं तो यह केवल भावी ऋणों को ही प्रभावित करेगा, पूर्व में दिए गए ऋणों को नहीं। इसमें बहुत अधिक कमी नहीं की जा सकती है, क्योंकि संपूर्ण लब्धि को इतना अधिक कम नहीं किया जाएगा। यदि हम 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हैं, तो संपूर्ण स्तर पर इसमें 10 आधार बिंदुओं की कमी हो सकती है।

श्री जयेश गांधी: नहीं, मैं यह समझने का प्रयास कर रहा हूँ, क्या आप अपना सामान्य 2 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत का दर लाभ प्राप्त करने में सफल होंगे, क्या यह लक्ष्य इसमें कमी करके प्राप्त किया जाएगा अथवा आपको इसमें वृद्धि की अपेक्षा है, मेरा आशय यह है कि क्या इससे आपकी उधारी लागत बढ़ेगी?

श्री आर नागराजन: सर्वप्रथम मैं यह कहना चाहूँगा कि उधारी लागत के बारे में मेरे मित्र श्री श्रीधर ने पहले ही स्पष्टीकरण दे दिया है, जहां तक पहली तिमाही का संबंध है हमने बहुत ही प्रतियोगी दर पर धन पर उधार लिया है और लब्धि में बहुत अधिक संचलन नहीं हुआ है। हमने 6.90 पर लगभग 1 बांड इश्यू उधार लिया है, यहां तक कि इसी बांड का व्यापार 7.10 पर भी किया जा रहा है, कहने का आशय यह है कि बजट के पश्चात स्टॉक में बहुत अधिक गिरावट के बावजूद भी हमें 20 आधार बिंदुओं का लाभ मिला है। इसमें केवल 10 आधार बिंदुओं की वृद्धि हुई है, यह पुनः 7.1 पर वापस आ गया है, यहां तक कि हमारा 10 वर्ष पेपर भी पिछले से दो माह में लगभग 8.52 से 8.70 का व्यापार कर रहा है, यहां तक कि हमारा सबसे लोकप्रिय 5 वर्ष पेपर की भी ट्रेडिंग केवल 8 से 8.15 प्रतिशत पर ही की जा रही है। इस प्रकार मेरा विचार यह है कि इसमें बहुत अधिक वृद्धि नहीं हो सकती क्योंकि भारत को 9

प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करनी है और कर संग्रहण के माध्यम से राजकोषीय घाटे को कम करना है, सरकार ब्याज दरों में बहुत अधिक वृद्धि की न तो अनुमति प्रदान करेगी और न ही वह स्वयं इसे बर्दाश्त कर सकेगी। इस प्रकार हो सकता है कि इसमें अधिकतम 25 से 50 आधार बिंदुओं की वृद्धि हो, यदि इस प्रकार से यह वृद्धि होती है तो केवल इतना ही संभव है। इस प्रकार से हम किसी भी तरह वर्ष दर वर्ष आधार पर कर्ज लागत को ऋणग्राही तक पहुंचा सकने में सफल हो सकते हैं और हम ब्याज दर में भी कमी कर सकते हैं। जो कुछ भी संभव होगा, हम करने का प्रयास करेंगे, परंतु हमें 200 आधार बिंदुओं का यह लाभ बनाए रखना है।

श्री जयेश गांधी: धन्यवाद श्रीमान जी, स्पष्टीकरण के लिए आपका धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री गांधी। अन्य अनुवर्ती प्रश्न एशियन मार्केट सिक्युरिटीज से श्री कमलेश कोटक का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री कमलेश कोटक: श्रीमान जी, केवल एक स्पष्टीकरण, मैं यह जानना चाहता हूँ कि आंकड़ों के रूप में कितनी परिसंपत्ति का इस वर्ष पुनर्मूल्यांकन किया जाना है?

श्री आर नागराजन श्री कमलेश कोटक: श्रीमान जी, केवल एक स्पष्टीकरण, मैं यह जानना चाहता हूँ कि आंकड़ों के रूप में कितनी परिसंपत्ति का इस वर्ष पुनर्मूल्यांकन किया जाना है?

श्री आर नागराजन: क्या?

श्री कमलेश कोटक: इस वर्ष के लिए परिसंपत्ति का पुनर्मूल्यांकन?

श्री आर नागराजन: वह आंकड़े/संख्या, इसका प्रकटन हम अभी नहीं कर पाएंगे।

श्री कमलेश कोटक: अनुमानित प्रतिशत वार यदि संभव हो, क्या मुझे इसका कोई अनुमान दिया जा सकता है?

श्री आर नागराजन: लगभग 8 से 10 प्रतिशत।

श्री कमलेश कोटक: कुल का 8 से 10 प्रतिशत, क्या मैं सही हूँ श्रीमान जी?

श्री आर नागराजन: ठीक है।

श्री कमलेश कोटक: धन्यवाद। ?

संचालक: धन्यवाद श्री कोटक। अन्य अनुवर्ती प्रश्न प्रभुदास लीलाधर से श्री भरत गोरसिया का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री भरत गोरसिया: हां श्रीमान जी, मैं केवल आंकड़ों पर ही चर्चा करूंगा, श्रीमान जी आज की तारीख में बकाया मंजूरियां कितनी हैं, क्या संचित मंजूरी 2,50,000 के आसपास है?

श्री आर नागराजन: लगभग आईएनआर 1,33,000 करोड, ठीक है, श्रीमान जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री गोरसिया। अन्य अनुवर्ती प्रश्न मोर्गन स्टेनली से श्री जयेश गांधी का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री जयेश गांधी: हां श्रीमान जी, मेरा अनुवर्ती प्रश्न यह है कि इक्विटी बढ़ाने से पहले हम अपने तुलनपत्र में किस सीमा तक विस्तार कर सकने में सक्षम होंगे?

श्री आर नागराजन: बोर्ड ने कहा कि जब पूंजीगत पर्याप्तता अनुपात लगभग 13 से 13.5 प्रतिशत है, हमें पूंजी बढ़ाने के बारे में विचार करना चाहिए।

श्री जयेश गांधी: ठीक है, क्या यह आपके तुलनपत्र के आकार में वर्तमान की तुलना में 40 से 50 प्रतिशत के विस्तार की अनुमति प्रदान करेगा?

श्री आर नागराजन: नहीं, आप ऐसा नहीं सोच सकते क्योंकि 5 प्रतिशत से 4.5 प्रतिशत का आशय यह है कि आप 150 प्रतिशत तक विस्तार नहीं कर सकते हैं, हो सकता है यह आईएनआर 20,000 से 30,000 करोड़ की रेंज में हो, इतना तक हो सकता है...

श्री जयेश गांधी: ठीक है, क्या मेरे लिए यह अनुमान लगाना उचित होगा कि इस राजकोषीय वर्ष के अंत तक हम इक्विटी में वृद्धि करने के बारे में विचार करेंगे?

श्री आर नागराजन: इस राजकोषीय वर्ष में, जैसा मैंने पहले भी बताया है कि इसकी आवश्यकता नहीं होगी क्योंकि इस राजकोषीय वर्ष के अंत तक हमारी परिसंपत्ति में भी इतनी अधिक वृद्धि नहीं होगी।

श्री जयेश गांधी: ठीक है, इतना पर्याप्त है। और इस प्रकार सरकारी स्टैक भी काफी अधिक है इसलिए घरेलू बाजार में इश्यू जारी किए जाने की अधिक

संभावना है, क्या यह घटनाक्रम आपकी दृष्टि से सर्वाधिक तर्कसंगत साबित होगा?

श्री आर नागराजन: हां, मैंने इस बात का उल्लेख पहले भी किया है कि हम केवल इक्विटी इश्यू के जरिए ही नहीं बल्कि अन्य स्रोतों के माध्यम से पूंजीगत पर्याप्तता में वृद्धि कर सकते हैं। हम आरबीआई द्वारा दी गई अनुमति के अनुसार परपैचुअल बांड इश्यू के बारे में विचार कर सकते हैं, जो हमें पूंजीगत पर्याप्तता में वृद्धि करने और अपने आरओएनडब्ल्यू में सुधार करने भी सक्षम बनाएगा। हम एफपीओ का विकल्प चुनने से पहले इस दिशा में भी संभावनाएं तलाश कर सकते हैं।

श्री जयेश गांधी: धन्यवाद, श्रीमान जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री गांधी। अगला प्रश्न कीनोट से श्री एलिजाबेथ जोन का है। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री एलिजाबेथ जोन: केवल एक प्रश्न आपके एनपीए के बारे में, मेरा आशय यह है कि इसमें अच्छी खासी गिरावट हुई है, मेरा आशय यह है कि आपने इसे बनाए रखा है और ऋण बही की ज्यादातर राशियां राज्य सरकार के मद में दर्शायी गई हैं इसलिए इसमें एस्क्रो लेखा उपलब्ध है, परंतु यदि आगे चलकर निजी क्षेत्र का योगदान इसी तरह बढ़ता रहा, तो क्या आपके एनपीए पर कोई दबाव पड़ेगा, क्या आपको भी इसकी संभावना प्रतीत होती है अथवा क्या आप यह सोचते हैं कि निजी क्षेत्र के लिए भी किसी प्रकार की व्यवस्था की जाएगी?

श्री आर नागराजन: निजी क्षेत्र के मामले में भी हमारे पास टीआरए व्यवस्था है जिसे न्यास और अभिधारण लेखा के नाम से जाना जाता है, जहां किसी बैंकर को टीआरए एजेंट के रूप में नियुक्त किया जाता है। सीओडी तक की सभी निधियां इस लेखा के माध्यम से ली दी जाती हैं और सीओडी के पश्चात राज्य सरकार अथवा अन्य लोगों से नकदी प्रवाह इस लेखे के माध्यम से किया जाता है। इस टीआरए लेखे, जो विद्युत क्षेत्र के लिए हमारे पास उपलब्ध है, के कारण मुझे नहीं लगता है कि एनपीए लेखों में वृद्धि होगी।

श्री एलिजाबेथ जोन: ठीक है, बहुत बहुत धन्यवाद।

संचालक: धन्यवाद श्री जोन। चूंकि अब और कोई प्रश्न नहीं है, अतः अब मैं आगे की कार्रवाई के लिए श्री कुनाल शाह को आमंत्रित करता हूँ, वे आएँ और अपना समापन वक्तव्य दें। कृपया आगे की कार्रवाई जारी रखें।

श्री कुनाल शाह: हां, आप सभी का समय लिया इसके लिए धन्यवाद और आगामी तिमाहियों के लिए शुभकामनाएं। इस सम्मेलन में शामिल होने के लिए सभी प्रतिभागियों का बहुत बहुत धन्यवाद। आज की संध्या शुभ हो, सभी को पुनः धन्यवाद।

श्री आर नागराजन: धन्यवाद कुनाल शाह और सभी विश्लेषक जिन्होंने प्रश्न पूछे और जैसा हमारे सीएमडी द्वारा बताया गया और वे वृद्धि दर को बनाए रखने तथा आंकड़ों की स्थिति बेहतर रखने के लिए प्रयास करेंगे।

श्री कुनाल शाह: धन्यवाद श्रीमान जी।

श्री आर नागराजन: धन्यवाद।

संचालक: देवियो और सज्जनो आप सभी का धन्यवाद, धन्यवाद श्री शाह, देवियो और सज्जनो धन्यवाद। इस तरह यह सम्मेलन समाप्त किया जाता है। हमारे बीच उपस्थित होने के लिए आप सभी को बहुत बहुत धन्यवाद। अब आप अपनी लाइनें डिस्कनेक्ट कर सकते हैं।